भारत सरकार
अंतरिक्ष विभाग

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या : 2374
गुरुवार, 12 मार्च, 2026 को उत्तर देने के लिए

कुलसेकरपट्टिनम में स्पेसपोर्ट परियोजना

2374. श्रीमती राजाथीः

क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) कुलसेकरपट्टिनम में स्पेसपोर्ट परियोजना के लिए अब तक आवंटित धनराशि और वास्तविक व्यय का ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या दिसंबर 2026 तक पहले रॉकेट प्रक्षेपण का लक्ष्य अभी भी निर्धारित समय पर है;

(ग) क्या केंद्र सरकार के पास वहां दूसरी स्पेसपोर्ट परियोजना के प्रबंधन और प्रचालन में लैंगिक - समावेशी नेतृत्व सुनिश्चित करने के लिए कोई विशिष्ट नीति है; और

(घ) सुविधा के पूर्ण रूप से कार्यशील हो जाने के बाद परिकल्पित वार्षिक प्रक्षेपणों की संख्या कितनी है?

उत्तर
कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय
तथा प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री
(डॉ. जितेन्द्र सिंह) :

****

(क) लघु उपग्रह प्रक्षेपण यान के लिए भूमि अधिग्रहण और नए प्रक्षेपण पैड की स्थापना हेतु कुल वित्तीय परिव्यय 985.96 करोड़ रुपये है। इस परियोजना में फरवरी 2026 के अंत तक किया गया कुल व्यय 511.35 करोड़ रुपये है।

(ख) वर्तमान में, कुलसेकरपट्टिनम में दूसरे प्रक्षेपण पैड की स्थापना का कार्य प्रगति पर है, जिसके वित्त वर्ष 2026-27 के दौरान पूरा होने की उम्मीद है। इस सुविधा के पूर्ण रूप से प्रचालनात्मक हो जाने के बाद प्रथम रॉकेट प्रक्षेपण की योजना बनाई जाएगी।

(ग) यह उल्लेखनीय है कि इसरो की मानव संसाधन संबंधी नीतियां लैंगिक भेदभाव रहित हैं, जो संगठन में विभिन्न पदों पर सभी कर्मचारियों को समान भागीदारी और अवसर सुनिश्चित करती हैं। इसरो में पदोन्नति प्रक्रिया लैंगिक भेदभाव रहित और योग्यता आधारित है, जो संगठन में नेतृत्व की भूमिकाओं में लैंगिक समावेशिता को भी सुनिश्चित करती है।

(घ) इस सुविधा के पूर्णरूपेण कार्यशील हो जाने के बाद, स्पेसपोर्ट से सालाना 20-25 प्रक्षेपण होने की उम्मीद है।

****